CH. SUKHRAM SINGH YADAV (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the issue raised by Shrimati Jaya Bachchan.

SHRI ABIR RANJAN BISWAS (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by Shrimati Jaya Bachchan.

SHRI SANJAY SETH (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the issue raised by Shrimati Jaya Bachchan.

SHRI VISHAMBHAR PRASAD NISHAD (Uttar Pradesh): Sir, I too associate myself with the issue raised by Shrimati Jaya Bachchan.

SHRI AHAMED HASSAN (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by Shrimati Jaya Bachchan.

SHRIMATI SHANTA CHHETRI (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by Shrimati Jaya Bachchan.

SHRI JOSE K. MANI (Kerala): Sir, I also associate myself with the issue raised by Shrimati Jaya Bachchan.

SHRI ELAMARAM KAREEM (Kerala): Sir, I also associate myself with the issue raised by Shrimati Jaya Bachchan.

SHRI MAJEED MEMON (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the issue raised by Shrimati Jaya Bachchan.

SHRI PRASHANTA NANDA (Odisha): Sir, I also associate myself with the issue raised by Shrimati Jaya Bachchan.

SHRI BINOY VISWAM (Kerala): Sir, I also associate myself with the issue raised by Shrimati Jaya Bachchan.

DR. SANTANU SEN (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by Shrimati Jaya Bachchan.

MIR MOHAMMAD FAYAZ (Jammu and Kashmir): Sir, I too associate myself with the issue raised by Shrimati Jaya Bachchan.

Need to construct Chindwada-Kareily-Sagar railway line

श्री कैलाश सोनी (मध्य प्रदेश): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से बहुआयामी और बहुप्रतीक्षित, एक बड़ी समस्या के ऊपर आपका और सदन का ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूं। वर्ष 1970 से इस समस्या के ऊपर, सागर जिला, छिंदवाड़ा जिला में नागपुर तक रेल लाइन बिछाने के लिए आंदोलन चलता रहा। इस समस्या के संबंध में संविधान निर्मात्री समिति के सदस्य स्वर्गीय श्री हरि विष्णु कामथ जी ने लोक सभा में वर्ष 1970 से इस डिमांड के संबंध में प्रश्न भी उठाया

कि सागर, जो बुंदेलखंड है, गोंड्वाना, नरसिंहपुर जिला, छिंदवाड़ा, से पूरा ट्राइबल एरिया है, यदि वहां से होते हुए नागपुर तक रेल लाइन जुड़ जाती है, मैं आपको बता दूं कि इसका सर्वे भी सब्मिट हो चुका है। इससे दूरी इतनी कम हो जाएगी कि रेल की लागत कुछ ही समय में वसूल हो जाएगी। अभी हम रेल से नागपुर 12 घण्टे में पहुंचते हैं, यदि यह लाइन बनती है तो हम अपने स्थान से 3 घण्टे में नागपुर पहुंच सकते हैं। इससे 500 गांव जुड़ते हैं। यह डिमांड बहुत लम्बे समय से चली आ रही है। हम आपके माध्यम से चाहते हैं कि सरकार इस पर त्वरित निर्णय ले। बुंदेलखंड की आबादी 5 प्रतिशत है और गोंड्वाना के 500 से अधिक गांव इससे जुड़ेंगे, इनका विकास होगा। मैं आपके माध्यम से यह मांग करता हूं कि सरकार इस पर कोई कारगर कदम उठाए, धन्यवाद।

Obscenity in electronic and print media

प्रो. राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार के सामने और सभी संसद सदस्यों के सामने एक बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा इसलिए उठाना चाह रहा हूं कि देश बहुत तेज़ी से नैतिक संकट की तरफ बढ़ रहा है। जिनको भारतीय संस्कृति से स्नेह है और जिनको भारतीयता से स्नेह है, उन सबकी तरफ, इसमें मैं भी शामिल हूं, उन सबको इस बात की चिंता है कि जिस तरह से इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया में और मैगज़ींस में विज्ञापन छापे जा रहे हैं, जिस तरह से अश्लीलता का भोंड़ा प्रदर्शन किया जा रहा है... जिस तरह से obscenity and vulgarity लगातार बढ़ रही है, इससे एक गंभीर स्थिति पैदा हो रही है। हम सब न्यूज सुनते हैं, तब उसके बीच में भी ऐसे विज्ञापन आने लगते हैं कि हम परिवार के साथ बैठकर न्यूज भी नहीं सुन सकते हैं। यह गंभीर चिंता का विषय है। सर, London University के International History के प्रोफेसर Arnold J. Toynbee ने अपनी पुस्तक “Study of History” में कहा कि दुनिया में बहुत सारी ऐसी सभ्यताएं हैं। उन्होंने बहुत स्टडी करने के बाद एक किताब लिखी और उसके कई वॉल्यूम्स हैं, जब civilization पर लिखा, तो कहा उनका disintegration जो हुआ, उसमें मुख्य रूप से दो कारण थे- nudity and alcoholism और ये दोनों ही फैक्टर हिन्दुस्तान में बहुत तेजी से पनप रहे हैं। दुर्भाग्य के लिए हम सब ज़िम्मेदार हैं स्थिति ऐसी हो गई है कि हमने 377 और 497 जैसी धाराओं को आईपीसी से हटा दिया है और unnatural offence और adultery को लीगलाइज़ कर दिया। हमने तब भी विरोध किया था कि इस पर सहमति मत कराइए, यह हमारी संस्कृति और सभ्यता के खिलाफ है और nudity की स्थिति तो यह हो गई है कि ऐसे दिखाते हैं कि रैम्प वॉक कर रहे हैं और अंडरगारमेंट्स खिसक जाते हैं। It is all deliberate, यह लड़कों के मन में जो मानसिक विकृति पैदा हो रही है, जिसकी वजह से महिलाओं पर और लड़कियों पर अत्याचार हो रहे हैं, इसका एक बहुत बड़ा कारण यह भी है।

सर, मैं आपके माध्यम में गवर्नमेंट से और आईबी मिनिस्टर से खास तौर से यह अनुरोध करना चाहूंगा कि इस पर पाबंदी लगाइए। आपने धारा 370 हटाने का वादा किया था और धारा 377 हटा दी।